MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:18 NOVEMBER 2025

एमसीयू में मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मनाई गई।

विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी के मार्गदर्शन में बिशन खेड़ी स्थित परिसर के मार्तंड सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बिरसा मुंडा जन्मोत्सव समारोह का संचालन कार्यालय अधीक्षक आदित्य जैन ने किया। प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए सहायक कुलसचिव गिरीश जोशी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक महान आदिवासी जननायक, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे।

उन्होंने जनजाति समाज के हित में कई लड़ाईयां लड़ी । उन्हें पृथ्वी के पिता यानि धरती आवा के रूप में जाना जाता है।उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का आव्हान किया, जो जन आंदोलन बन गया।

समारोह में प्रोड्यूसर डॉ रामदीन त्यागी ने कहा कि उनका जीवन अन्याय के खिलाफ एक संघर्ष था। उन्होंने 25 वर्ष की अल्प आयु में जनजातीय समाज को जहां एक ओर जल, जंगल, जमीन की महत्ता बताई वहीं दूसरी ओर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक रूप से उन्हें मजबूत करने पर कार्य किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो पी शशिकला ने भगवान बिरसा मुंडा के उपदेशों को आज भी प्रासंगिक बताया और कहा कि यदि हम उनकी 150 वर्ष जयंती पर उनके उपदेशों को अंगीकार करते हैं तो यह उनके प्रति सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। समारोह में विवि के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'15 NOVEMBER.2025

एमसीयू के छात्रों ने निकाला पत्र विकल्प

शहर की परिवहन व्यवस्था को दिखाया

भोपाल@पत्रिका. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने पत्र 'विकल्प' का विशेष अंक जारी किया, जिसमें राजधानी भोपाल की परिवहन व्यवस्था को केंद्र में रखा गया। कवर स्टोरी का शीर्षक था- 'राजधानी का पंचर पब्लिक ट्रांसपोर्ट- शर्म करो शहर के स्वामी'। इसमें महापौर, मंत्री, सांसद, विधायक और अफसरों से सवाल किए गए कि राजधानी में बस सेवा क्यों ध्वस्त है। अंक का विमोचन कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। मार्गदर्शन डॉ. राखी तिवारी और प्रो. शिवकुमार विवेक ने दिया।

कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा - 'पत्रकारिता का असली अर्थ सिर्फ खबर देना नहीं, बल्कि समाज से संवाद बनाना है।' बता दें कि 20 राज्यों से 70 विद्यार्थियों ने मिलकर इस संस्करण को एक नेशनल न्यूजपेपर की तरह तैयार किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'15 NOVEMBER.2025

एमसीयू में आज आएंगे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

भोपाल। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत सोमवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक लोकार्पण एवं पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में लेखक दिनेश मालवीय की पुस्तक 'क्लाउडेड रिलीजंश विजडम' का लोकार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही मूल पुस्तक 'जिज्ञासा, युवा और धर्म' पर विशेष चर्चा सत्र भी होगा। यह आयोजन प्रातः 11 बजे, स्वामी विवेकानंद सभागार, नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग, विक्रमशिला ब्लॉक, माखनपुरम में किया जाएगा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'17 NOVEMBER.2025

युवा शक्ति के लिए जड़ों से जुड़ाव जरूरी : रावत

एमसीयू में दिनेश मालवीय की पुस्तक क्लाउडेड रिलीजियस विस्डम का लोकार्पण, युवाओं और धर्म पर विशेष चर्चा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ.पी. रावत ने कहा कि युवाओं के लिए अपनी जड़ों की पहचान और संस्कृति का ज्ञान बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का निर्माण तभी संभव है, जब युवा अपने समाज और मूल्यों को समझें। श्री रावत ने लेखक दिनेश मालवीय की पुस्तक क्लाउडेड रिलीजियस विस्डम के लोकार्पण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत व्यक्तित्व की नींव अपनी जड़ों से जुड़ाव है। संयुक्त परिवारों में ज्ञान का प्रसार पीढ़ियों तक होता था, जबकि आज की युवा पीढ़ी आधुनिकता में आगे तो है,

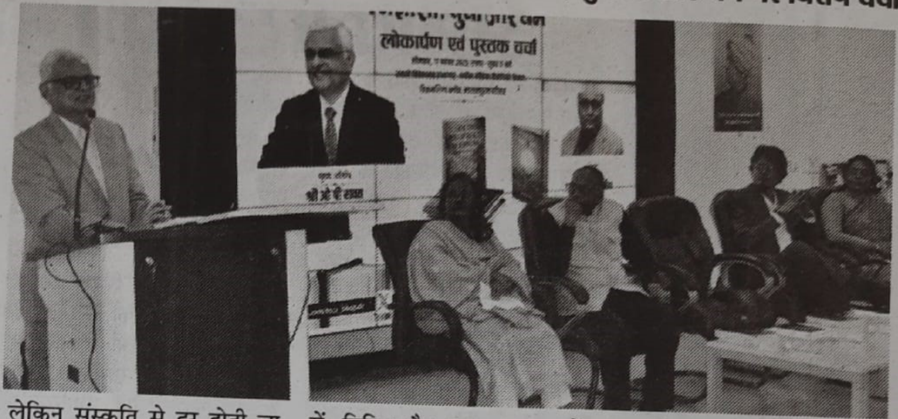

लेकिन संस्कृति से दूर होती जा रही है। रावत ने कहा कि यह पुस्तक युवाओं को अपने धर्म और मूल्यों की प्रासंगिकता को समझने में मददगार होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक ताकत उसकी युवा शक्ति और सांस्कृतिक विरासत में निहित है। इस पुस्तक में युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर सारगर्भित चर्चा की गई है। पुस्तक के लेखक दिनेश मालवीय ने बताया कि उन्होंने यह पुस्तक विशेष रूप से युवाओं और किशोरों को ध्यान में रखकर लिखी है। पुराने ग्रंथों में आज भी प्रासंगिक ज्ञान छुपा है, जिसे युवाओं को समझना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन अपने विवेक से करें। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. पी. शशिकला ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सारंग ने किया। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'18 NOVEMBER.2025

युवा सृजन का रंगारंग उत्सव, विश्व रंग रचनाओं की उजली उड़ान

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय का राज सदन में सोमवार को शब्दों, सुरों और संवेदनाओं से एक नई दुनिया रचता नजर आया। विश्व रंग के पूर्व रंग के अंतर्गत आयोजित युवा रचनाकारों ने रचना पाठ में नई पीढ़ी की कविताओं और विचारों ने सभागार को ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वीणा सिन्हा ने करते हुए कहा कि पूरे विश्व में भारत की धरोहरों का कोई मुकाबला नहीं।

मुख्य अतिथि बलराम गुमास्ता का स्वर मानवीयता के पक्ष में गूंजा उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों को बचाए रखना ही विश्व रंग का सबसे बड़ा उद्देश्य है। साथ ही विशिष्ट अतिथि मोहन सगोरिया ने कविता को सरलता का सौंदर्य समझाते हुए कहा हम सरल हो जाएं तो कविता भी सरल हो जाती है।

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में रचना पाठ करते कवि।

38 युवा रचनाकारों के की उड़ान

रचना पाठ का संचालन माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के छात्र कार्तिकेय पांडेय ने सहज और रोचक शैली में किया। करुणा राजुरकर के स्वागत वक्तव्य और रामराव के आभार प्रदर्शन ने आयोजन को गरिमा से भर दिया। इस संगम में रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि, महारानी लक्ष्मीबाई महिला महाविद्यालय, माखनलाल विवि, बीएल गौर महाविद्यालय, सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के लगभग 38 युवा रचनाकारों ने अपने मन की उड़ान को शब्दों में पिरोया।

हम अव्वल हैं दिल लगाने में...

अवसर पर माखनलाल के छात्र हिमांशु तिवारी ने पढ़ा- हम अव्वल है दिल लगाने में आपकी जान जा रही है ताली बजाने में। माही खान ने पढ़ा - कौन कहता है वसंत आया है, चारों ओर प्रदूषण ही प्रदूषण ,पर्यावरण संतुलन डगमगाया है।

खुशी दीक्षित ने पढ़ा - पापा आप तो मुझे इतना प्यार करते थे, फिर समाज से क्यों डर गए। संयोगिता नगाइच ने पढ़ा - शह पे गुजरी मात पे गुजरी, बोली तो हर बात पे गुजरी। लगभग 38 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मुद्दों पर रचनाएं पढ़कर सभागार को ऊर्जावान बनाए दिया। इस अवसर पर घनश्याम मैथिल अमृत, विनोद जैन, अशोक निर्मल, राजेंद्र गट्टानी, बिहारी लाल सोनी अनुज के साथ-साथ बड़ी संख्या में शहर के साहित्यकार भी उपस्थित थे।

कुछ प्रभावशाली रचनाएं

- **हिमांशु तिवारी** – हम अव्वल हैं दिल लगाने में।
- **माही खान** – कौन कहता है वसंत आया है।
- **खुशी दीक्षित** – पापा फिर समाज से क्यों डर गए।
- **संयोगिता नगाइच** – शह पे गुजरी, मात पे गुजरी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'18 NOVEMBER.2025

Dinesh Malviya's *Clouded Religious Wisdom* released

Our Staff Reporter

BHOPAL

Former chief election commissioner OP Rawat launched the book, Clouded Religious Wisdom, penned by Dinesh Malviya at Makhanlal Chaturvedi University in the city on Monday.

Rawat said books were essential for recognising our mistakes and correcting them. He said that Malviya maintained coherence in this book. "It is a highly readable book. It is a book that allows us to reflect in solitude. If your roots are strong, you can easily overcome any problem," he added. Malviya said that he wrote this book with youth and adolescents in mind.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'FREE PRESS'18 NOVEMBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 18-11-2025

कैम्पस अपडेट

युवा शक्ति का अपनी जड़ों से जुड़ाव जरूरी : ओपी रावत

भोपाल | अपनी जड़ों की पहचान युवाओं के लिए जरूरी है। अगर हम विकसित भारत बनना चाहते हैं तो युवाओं का अपने समाज और उसकी व्यवस्थाओं को समझना जरूरी है। अपनी संस्कृति और सभ्यता की जड़ों को पकड़ने से युवाओं को समस्याओं को हल करने में मदद मिलती है। यह बात देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने लेखक दिनेश मालवीय की पुस्तक 'क्लाउडेड रिलीजियस विस्डम' के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किए। वे बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

एमसीयू के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के सभागार में आयोजित इस आयोजन में कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भारत की शक्ति को समझने के लिए इस तरह की पुस्तकों की आवश्यकता है। अपनी पुस्तक के बारे में बताते हुए दिनेश मालवीय ने कहा कि उन्होंने यह पुस्तक युवाओं और किशोरों को ध्यान में रखकर लिखी। युवा अपने धर्म के बारे में जानना चाहते हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. पी शशिकला, पुस्तकालय विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सारंग उपस्थित थीं।

विश्व रंग के पूर्व रंग में युवा कवियों का हुआ कविता पाठ

चारों ओर प्रदूषण ही प्रदूषण कौन कहता है वसंत आया...

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

विश्व रंग के पूर्व रंग के तहत हो रहे आयोजनों की श्रंखला में सोमवार को युवरंग का आयोजन किया गया। दुष्यन्त संग्रहालय में सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने रचना पाठ किया। गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.वीणा सिन्हा ने की। मुख्य अतिथि साहित्यकार बलराम गुमाश्ता रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहन सगोरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने दिया। विशाखा राजुरकर ने विश्व रंग की अवधारणा पर प्रकाश डाला। संचालन माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के छात्र कार्तिकेय पाण्डेय ने किया। आभार संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव ने व्यक्त किया। इस आयोजन में रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरोजनी नायडू कन्या महाविद्यालय, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान और भोपाल स्कूल आफ सोशल साaइंसेज और अटल बिहारी वाजपेई हिन्दी विश्वविद्यालय के लगभग 38 विद्यार्थियों ने रचना पाठ किया।

कविताओं में झलके युवा स्वर

रचना पाठ की श्रंखला में माखनलाल के छात्र हिमांशु तिवारी ने पढ़ा- 'हम अव्वल है दिल लगाने में आपकी जान जा रही है ताली बजाने में। माही खान ने पढ़ा - कौन कहता है वसंत आया है, चारों ओर प्रदूषण ही प्रदूषण ,पर्यावरण संतुलन डगमगाया है। खुशी दीक्षित ने पढ़ा - पापा आप तो मुझे इतना प्यार करते थे, फिर समाज से क्यों डर गए संयोगिता नगाइच ने पढ़ा - शह पे गुजरी मात पे गुजरी, बोली तो हर बात पे गुजरी। लगभग 38 छात्र -छात्राओं ने विभिन्न मुद्दों पर रचनाएं पढ़कर सभागार को ऊर्जावान बनाए दिया। इस अवसर पर घनश्याम मैथिल अमृत, विनोद जैन, अशोक निर्मल, राजेंद्र गट्टानी, बिहारी लाल सोनी अनुज के साथ-साथ बड़ी संख्या में शहर के साहित्यकार भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'18 NOVEMBER.2025